(e) Steel Authority of India Ltd. had awarded four global contracts to the leaders of the Consortium whose prices were the lowest. M/s. Birla Technical Services (BTS) were members of these Consortia. SAIL had found Mls. BTS competent.

मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कारपोरेशन द्वारा स्क्रैप का आयात

2410. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कारपोरेशन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ;

(ख) यदि हां, तो समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाने के पश्चात् उक्त निगम को क्या-क्या नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि देश के छोटे-छोटे इस्पात संयंत्रों को आयातित स्क्रैप उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी इस निगम की है ;

(घ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति वर्ष देश के छोटे इस्पात संयंत्रों की स्क्रैप की कितने प्रतिशत मांग निगम द्वारा पूरी की गई ; और

(ङ) क्या यह भी सच है कि छोटे इस्पात संयंत्रों के प्रतिनिधियों ने इस आशय के अभ्यावेदन प्रस्तुत किये हैं कि निगम अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में समर्थ नहीं था, यदि हां, तो निगम को और अधिक जिम्मेदारियां सौंपे जाने के क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद मैटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लिमिटेड को कोई नई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है ।

(ग) कार्बन इस्पात प्रगलन स्क्रैप का आयात करने के लिए मैटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन एक माध्यम एजेंसी है । फिर भी, प्रयोक्ता उद्योग भी स्क्रैप का आयात निर्यात आयात पत्र (पहले आर. ई.पी. लाइसेंस) के माध्यम से सीधे करते हैं।

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान एम.एस.टी.सी. द्वारा स्क्रैप की पूरी की गई पंजीकृत मांग का प्रतिशत निम्नलिखित है :—

वर्ष	एमएसटीसी द्वारा पूरी की गई पंजीकृत मांग का प्रतिशत
1988–89 . .	45.14
1989–90 . .	25.57
1990–91 . .	33.00

इसके अतिरिक्त, प्रयोक्ता उद्योग भी आर. ई. पी./लाइसेंस और सीधे लाइसेंस के माध्यम से सीधे आयात करते हैं।

(ङ) स्क्रैप की अपर्याप्त सप्लाई के बारे में स्टील फर्नेस एशोसिएशन आफ इंडिया और अलग-अलग यूनिटों से भी अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं । पर्याप्त विदेशी मुद्रा की अनुपलब्धता के कारण एमएस टी सी प्रयोक्ता उद्योगों की सम्पूर्ण आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सका । फिर भी इस प्रकार के उद्योग भी आर. ई. पी./लाइसेंस (अब निर्यात-आयात पत्र) और सीधे लाइसेंस के माध्यम से स्क्रैप का सीधे आयात कर सकते हैं।

छोटे इस्पात संयंत्रों की समस्याएं

2411. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अक्तूबर 1991 के फाईनेंशियल ऐक्सप्रैस

में "मेगा प्राब्लम्स आफ मिनी स्टील प्लांट्स" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि छोटे इस्पात संयंत्रों को आधे से अधिक कच्चे माल की पूर्ति आयातित स्क्रैप से की जाती है ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इस स्क्रैप का आयात पूरी तरह धातु इस्पात व्यापार निगम द्वारा किया जाता रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो इस उपक्रम द्वारा अक्तूबर, 1991 तक कितने स्क्रैप का आयात किया गया और इस वर्ष की शेष अवधि के दौरान स्क्रैप की पूर्ति करने हेतु क्या योजनायें हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव) : (क) जी, हां ।

(ख) मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लिमिटेड, जो इस्पात प्रगलन स्क्रैप के आयात के लिए माध्यम अभिकरण है, ने लघु इस्पात संयंत्रों को, विदेशी मुद्रा की उपलब्धता पर निर्भर करते हुए उनके द्वारा पंजीकृत करायी गयी मांग का 33 प्रतिशत से 45 प्रतिशत भाग सप्लाई किया है । इसके अतिरिक्त लघु इस्पात संयंत्र भी आर.ई.पी. लाइसेंसों (अब निर्यात-आयात पत्र) तथा प्रत्यक्ष लाइसेंसों के इस्तेमाल के माध्यम से स्क्रैप का सीधे आयात करते रहे हैं।

(ग) मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लि. स्क्रैप का एकमात्र आयात कर्ता नहीं है । स्क्रैप का आयात वास्तविक प्रयोक्ताओं को जारी किये गये आर० ई० पी० लाइसेंसों (अब निर्यात-आयात पत्रों) और प्रत्यक्ष लाइसेंसों की मार्फत भी किया गया है ।

(घ) वर्ष 1991-92 के दौरान अक्तूबर, 1992 तक मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लि. के माध्यम से देश में 85,000 टन और नवम्बर, 1991 तक 1,07,000 टन स्क्रैप का आयात किया गया । मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लि. द्वारा 1,01000 टन और स्क्रैप के आयात के लिए आर्डर दे दिये गये हैं । मेटल स्क्रैप ट्रेड कारपोरेशन लिमिटेड को अतिरिक्त विदेशी मुद्रा उपलब्ध करा दी गई है जिससे वह लगभग 2 लाख टन और स्क्रैप का आयात कर सके । इसके अलावा प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा भी निर्यात-आयात पत्र के माध्यम से स्क्रैप का सीधा आयात किया जा सकता है ।

Indian Iron and Steel Compan Limited

2412. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SOM PAL:

Will the Minister of STEEL b pleased to state;

(a) what is the number of worker employed at present in the India Iron and Steel Company Limited since when it has become sick an what are the likely consequences c the unit being declared sick;

(h) what is the number of surplu workers therein;

(c) what is the book value am market value of the undertaking'; am

(d) whether the entire plant is ob solete and when the plant was star ted?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OP STEEL (SHR SONTOSH MOHAN DEV): (a) and (b) The Burnpur Works of IISCO have as on 1-12.1991, a works man power of 20,026. It is estimated that the plant's present manpower would be surplus to the modernised plan manpower requirement by around 3:000 the. plant's sickness dates back to early 1970s. The consequences o sickness are rapid decline in produc tion capacity, productivity level, in creasing losses, financial unviabi lity, etc., leading to the Company' closure or natural death, unless re medial measures are taken In time.